Service No.	Days of Operation	Sector
91. IC-483/484	1.4. (Twice weekly)	Delhi-Leh-Delhi
92. IC-423/424	1.4. (Twice weekly)	Delhi-Amritsar-Jammu-Srinagar & Back
93. IC-423/424	2.3.5.6.7. (Five weekly)	Delhi-Amritsar-Srinagar & Back
94. IC-429/430	2.3.5.6.7. (Five weekly)	Srinagar-Leh-Srinagar
95. IC-421/422	1.4. (Twice weekly)	Delhi-Chandigarh-Delhi
96. IC-421/422	2.3.5.6.7. (Five weekly)	Delhi-Chandigarh-Jammu-Srinagar & Back

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रि-मेडिकल तथा प्रिडेन्टल परीक्षा का अंग्रेजी माध्यम में आयोजित किया जाना

1927. श्री कपिल वर्मा :
श्रीमती वीणा वर्मा :

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने आंध्र प्रदेश तथा जम्मू और काश्मीर को छोड़कर, देश के समस्त 87 मेडिकल कालेजों में 15 प्रतिशत स्थान को भरे जाने के लिये 22 मई, 1988 को पहली बार प्रि-मेडिकल तथा प्रि-डेन्टल परीक्षा आयोजित की थी और उस परीक्षा का माध्यम केवल अंग्रेजी था, यदि हां, तो उसके क्या कारण थे ;

(ख) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन०सी०ई०आर०टी०) द्वारा किये गये सर्वेक्षण के अनुसार इंटरमीडिएट तथा हायर सेकेण्डरी स्तर पर भारतीय भाषाओं के माध्यम से अध्ययन कर रहे 92.7 प्रतिशत छात्रों के लिये प्रिमैडिकल तथा प्रि-डेन्टल परीक्षा में प्रवेश पाना कठिन है, और

(ग) देश में अंग्रेजी भाषा के माध्यम से पढ़ने वाले छात्रों की संख्या कितने प्रतिशत है ।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) से (ग) जहां तक विभिन्न मेडिकल कालेजों और डेंटल कालेजों में एम०बी०बी०एस०/बी०डी०एस० पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिये ली जाने वाली अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा का सम्बन्ध है, उच्चतम न्यायालय ने इस मामले पर विचार किया है और यह निर्णय दिया है कि चूंकि एम०बी०बी०एस०/बी०डी०एच० पाठ्यक्रमों और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है और देश भर में सम्पूर्ण चिकित्सा शिक्षा अंग्रेजी में दी जाती है, इसलिये विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा आयोजित करना व्यावहारिक रूप से सम्भव नहीं है और फिलहाल कम से कम अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा अंग्रेजी भाषा में ली जानी चाहिये ।

Inadequate supply of cholera vaccine

1928. SHRI GURUDAS DAS GUPTA:
SHRI N. E. BALARAM:
SHRI KAPIL VERMA:
SHRIMATI VEENA VERMA:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that no good vaccine is available in the coun-

try to prevent cholera and other water borne diseases and the ones which are in use are partially successful, as has been said by Prof. B. N. Tandon of the All India Institute of Medical Sciences, as reported in 'Hindustan Times' dated the 21st July, 1988;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether any steps are being taken to develop a good vaccine to prevent these diseases as they are common in the country;

(d) whether it is a fact that T.A.B. injections were given in to cholera patients instead of cholera vaccine; and

(e) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) and (b) The conventional cholera and typhoid vaccines give limited protection. Cholera vaccine gives protection to 50% of people vaccinated for 3 to 6 months.

(c) The scientists all over the world have been trying to develop a more effective vaccine against Cholera and typhoid. In the past, cholera toxoid was used for control trial but did not show the satisfactory benefit. A controlled field trial of oral whole-sale/B Sub-Unit has been undertaken in the past. The result has been encouraging.

Tg. 21(a) Oral typhoid vaccine which is expected to provide 75 per cent protection is undergoing trials in Chile & Indonesia.

Some of the other studies are at present in the experimental stage.

(d) No.

(e) Does not arise.

इंदिरा गांधी विमानपत्तन पर राडार प्रणाली का ठप्प हो जाना

1929. **श्री कपिल वर्मा :**
श्रीमती वीणा वर्मा :
डा० जी० विजयमोहन रेड्डी :

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि जुलाई के प्रथम सप्ताह में इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन पर तीन दिन, जबकि राष्ट्रपति बाहर जा रहे थे, राडार प्रणाली ठप्प रही, यदि नहीं, तो इसके द्वारा दूर से आने वाले बोइंग और एयरबस की उड़ानों की सूचना के लिये भारतीय वायु सेना स्टेशन, हिंडन (गाजियाबाद) का प्रयोग किये जाने के क्या कारण थे ;

(ख) इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन पर कितने राडार लगाये गये हैं और उनके रख-रखाव के लिये कौन जिम्मेदार है ; और

(ग) अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन किसके सुरक्षा क्षेत्र में आता है; क्या सरकार सुरक्षा क्षेत्र का विस्तार करने का विचार रखती है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री मोती लाल वोरा) : (क) जी नहीं। यह सुविधा 6 जुलाई, 1988 को राष्ट्रपति की उड़ान के लिए थी। बोइंग और एयरबस की उड़ानों की सूचना के लिये भारतीय वायु सेना स्टेशन, हिंडन से कोई सहायता नहीं ली गयी थी।

(ख) धावनपथ 28–10 के लिए विमान मार्ग निगरानी राडार (ए आर एस आर–दूरी 200 नॉटिकल मील), विमान-क्षेत्र निगरानी राडार (ए एस आर–60 नॉटिकल मील) और सूक्ष्म पहुंच राडार (पी ए आर–10 नॉटिकल मील) नामक तीन राडार हैं। राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण मुख्य रूप से इन सुविधाओं के संधारण और प्रचालन के लिये उत्तरदायी है जबकि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग बिजली आपूर्ति और वातानुकूलन के लिये उत्तरदायी है।